INSCRIPTIONS
in
PARLIAMENT HOUSE
(संसद् भवन में भित्ति लेख)

LOK SABHA SECRETARIAT
NEW DELHI
April, 1959
Price: Rs. 0.35 n.p

B180 (c) LS.—1.

PARLIAMENT LIBRARY
Acc. No. C 80482
DATE 05.08.2019

H11.70954
J9;1

COMPLIMENTARY

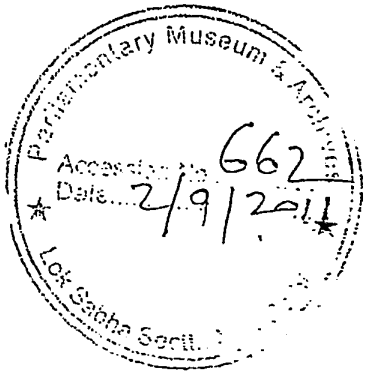

Parliamentary Museum & Archives
Accession No. 662
Date 2/9/2011
Lok Sabha Sectt.

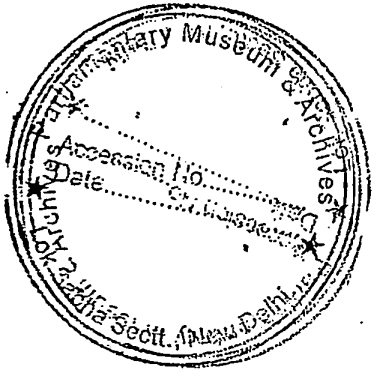

Parliamentary Museum & Archives
Accession No.
Date
Lok Sabha Sectt. New Delhi

PREFACE

This Brochure contains a collection of quotation selected by a Committee of Parliament for inscription i Parliament House and also those which are at preser inscribed.

The quotations at present inscribed in Parliamer House are given in Part II of the Brochure. Transla tions in English as well as in Hindi—authoritative where ever possible—of the quotations have also been include

NEW DELHI;
The 9th April, 1959.

M. N. KAUL,
Secretary

PART I

Quotations Selected by Committee on Inscriptions in Parliament House

(संसद् भवन में भित्ति लेख सम्बन्धी समिति द्वारा चुने गये उद्धरण)

भित्ति लेख के लिये उद्धरण

लिफ्ट संख्या ६ के निकटवर्ती गुम्बज पर :

प्रजासुखे सुखं राज्ञः प्रजानां च हिते हितम् ।
नात्मप्रियं हितं राज्ञः प्रजानांतु हिते हितम् ।।

—कौटिल्य अर्थशास्त्र १/१९/

निचली मंजिल पर बाहर की गोष्ठी-दीर्घाओं में अन्दर की मेहराबों पर :

(१) जहां सुमति तहं सम्पति नाना ।
जहां कुमति तहं बिपति निदाना ।।

—तुलसीदास—रामचरितमानस—सुन्दरकाण्ड ४०/३

(२) अपना जितना काम आप ही जो कोई कर लेगा ।
पाकर उतनी मुक्ति आप वह औरों को भी देगा ।

—मथिलीशरण गुप्त

(३) वैष्णव जनं तो तेने कहिये
जे पीड पराई जाणे रे ।

—नरसिंह महतो

ENGLISH AND HINDI TRANSLATION OF QUOTATIONS FOR INSCRIPTION

On the dome near Lift No. 6:

In the happiness of his subjects lies the happiness of t ruler; in their welfare lies his welfare. What mer pleases him is not necessarily good for him; but in welfare of his people alone lies his welfare.

राजा का सुख सदा प्रजा के सुख में स्थित है ।
उसका निज हित नहीं; प्रजा के हित में हित है ।।

On the inner arches in the outer lobbies at Ground Floo

When the good mind prevails, then
true riches are found;
But when evil prevails, then
for trouble we are bound.

To the extent one helps oneself he relieves others of burden of working for him.

He is a true *Vaishnava* who understands others' suffer

पहली मंजिल पर बाहर की गोष्ठी-दीर्घाओं में अन्दर की मेहराबों पर :-

(१) न हि वेरेन वेरानि सम्मन्तीध कुदाचनं ।
अवेरेन च सम्मन्ति एस धम्मो सनन्तनो ।।

—धम्मपद १/५

(२) कबिरा गर्व न कीजिये रंकु न हंसिये कोय ।
अजहूं नाव समुद्र में का जाने का होय ।।

—कबीर

अन्दर की गोष्ठी-दीर्घा (लोक-सभा) के सभी द्वारों पर, लिफ्ट संख्या २ के निकटवर्ती द्वार से आरम्भ हो कर :

(१) ये च सभ्याः सभासदाः ।
तानिन्द्रियवतः कुरु ।।

(२) सत्यमाहुः परो धर्मः ।

—महाभारत—अनुशासनपर्व ७५/३१

(३) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।

—गीता २/४७

(४) योगः कर्मसु कौशलम् ।

—गीता २/५०

On the inner arches in the outer lobbies at First Floor:

Hatred is never overcome by hatred.
Hatred is conquered by love.
This is the eternal law.

वैर से वैर की शान्ति, होती नहीं कभी कहीं ।
शान्ति निर्वैर में ही है, यही धर्म सनातन ।।

Do not be proud; nor laugh at the poor;
the boat is still in the sea and who
knows what may happen.

On all the gates of the inner lobby (Lok Sabha), starting from the gate situated near Lift No. 2:

May the Members of this Assembly and those attending be endowed with energy and vigour.

जागरूक हों और संयमी सभ्य सभासद् ।

Truth has been said to be the highest duty.

परम धर्म कहा गया है सत्य ।

Action alone is thy concern and not its fruit.

कर्म मात्र का अधिकारी तू, फल का नहीं कदापि ।

Yoga is skill in action.

योग कर्म का कौशल है ।

1180 (c) LS—2.

पहली मंजिल पर बाहर की गोष्ठी-दीर्घाओं में अन्दर की मेहराबों पर :

न हि वेरेन वेरानि सम्मन्तीध कुदाचनं ।
अवेरेन च सम्मन्ति एस धम्मो सनन्तनो ॥

—धम्मपद १/५

(२) कबिरा गर्व न कीजिये रंकु न हंसिये कोय ।
अजहूं नाव समुद्र में का जाने का होय ॥

—कबीर

अन्दर की गोष्ठी-दीर्घा (लोक-सभा) के सभी द्वारों पर, लिफ्ट संख्या २ के निकटवर्ती द्वार से आरम्भ हो कर :

(१) ये च सभ्याः सभासदाः ।
तानिन्द्रियवतः कुरु ॥

(२) सत्यमाहुः परो धर्मः ।

—महाभारत—अनुशासनपर्व ७५/३१

(३) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।

—गीता २/४७

(४) योगः कर्मसु कौशलम् ।

—गीता २/५०

On the inner arches in the outer lobbies at First Floor:

Hatred is never overcome by hatred.
Hatred is conquered by love.
This is the eternal law.

वैर से वैर की शान्ति, होती नहीं कभी कहीं ।
शान्ति निर्वैर में ही है, यही धर्म सनातन ॥

Do not be proud; nor laugh at the poor,
the boat is still in the sea and who
knows what may happen.

On all the gates of the inner lobby (Lok Sabha), starting from the gate situated near Lift No. 2:

May the Members of this Assembly and those attending be endowed with energy and vigour.

जागरूक हों और संयमी सभ्य सभासद् ।

Truth has been said to be the highest duty.

परम धर्म कहा गया है सत्य ।

Action alone is thy concern and not its fruit.

कर्म मात्र का अधिकारी तू, फल का नहीं कदापि ।

Yoga is skill in action.

योग कर्म का कौशल है ।

1180 (c) LS.—2.

(५) मितं च सारं च वचो हि वाग्मिता ।

—नैषधचरित ९/८

(६) नास्ति हि कम्मतरम् सर्व-लोक-हितत्पा ।

—अशोक का शिलालेख संख्या ६

अन्दर की गोल्ठी-दीर्घा (राज्य-सभा) के सभी द्वारों पर :

(१) एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति ।

—ऋग्वेद १/१६४/४६

(२) यत्र विश्वं भवत्येकनीडम् ।

—यजुर्वेद ३२/८

(३) सत्यं वद धर्मं चर ।

—तैत्तिरीयोपनिषद् १/११/७

(४) अहिंसा परमो धर्मः ।

—महाभारत—वनपर्व २०७/७४

(५) स्वे स्वे कर्मण्यभिरतः ।
संसिद्धिं लभते नरः ॥

—गीता १८/४५

Brevity and substance constitute eloquence.

वही वाग्मिता है, जो कह दे थोड़े में सब सार ।

There is no duty higher than the promotion of the good of all.

सर्व लोक हित से बड़ा नहीं दूसरा कर्म ।

On all the gates of the inner lobby (Rajya Sabha):

The one Reality Sages call by many names.

एक सत् है, विप्र कहते हैं अनेक प्रकार ।

In the Supreme the universe finds its sole refuge.

वह विराट् इस अखिल विश्व का एकाश्रय है ।

Speak the Truth, practise virtue (*Dharma*).

सत्य बोलो और धर्माचरण कर कृतकृत्य हो लो ।

Abstention from doing injury to anyone is the highest *Dharma*.

अहिंसा परम धर्म है ।

Man reacheth perfection by each being intent on his own duty.

निज निज कर्मों में रत रह कर,
सिद्धि सफलता पाते हैं नर ।

संसद् पुस्तकालय के सभी द्वारों पर :

(१) ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत् ।
तेन त्यक्तेन भञ्जीथा, मा गृधः कस्य स्विद्धनम् ।।

—ईशोपनिषद् १

(२) असतो मा सद्गमय,
तमसो मा ज्योतिर्गमय,
मृत्योर्मामृतं गमय ।

—बृहदारण्यकोपनिषद् १/३

(३) यद्भूतहितमत्यन्तं तत्सत्यमिति धारणा ।
विपर्ययः कृतोऽधर्मः पश्य धर्मस्य सूक्ष्मताम् ।।

—महाभारत—वनपर्व २०६/४

(४) विकारहेतौ सति विक्रियन्ते,
येषां न चेतांसि त एव धीराः ।

—कुमारसम्भवम् १/५९

On all the gates of the Parliament Library:

The Lord Supreme (*Isa*) dwells in all that moves in th world of motion. With renunciation thou mayest enjo covet not the wealth of others.

जो कुछ भी है इस जगती में ईश्वर का आवास सभी,
त्याग भाव से भोग, किसी के धन का मत कर लोभ कभी ।।

From the Unreal (*Asat*) lead me to the real,
From Darkness lead me to Light,
From Death lead me to Immortality.

असत् से सत् में, तिमिर से ज्योति में लाओ मुझे ।
मृत्यु से तुम अमृत में, हे पूज्य, पहुंचाओ मुझे ।।

Whatever conduces most to the good of all beings is h to be the truth; doing the opposite of this is the violati of *Dharma;* mark the subtle nature of *Dharma.*

जीवों का हित सत्य धर्म है, तद्विपरीत अधर्म ।

Those alone are wise whose minds are not perturbed spite of grave provocation.

रहें विकार हेतु पर जिनके मन न विकृत हों, वे ही धीर ।

1180 (c) LS.—3.

मध्यवर्ती हाल और राज्य-सभा के बीच के गुम्बज पर :

सभा च मा समितिश्चावतां
प्रजापतेर्दुहितरौ संविदाने ।
येना संगच्छा उप मा स शिक्षाच्चारु
वदानि पितरः सङ्गतेषु ।।

—अथर्ववेद ७/१२

मध्यवर्ती हाल के बाहर द्वार संख्या १ के सामने :

अयं निजः परोवेति गणना लघुचेतसाम् ।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् ।।

—पंचतंत्र ५/३८

डयोढ़ी वाले द्वारों पर :

(१) त्यागाय संभृतार्थानाम् ।

—रघुवंश १/७

On the dome between the Central Hall and Rajya Sabh

Let both Assembly (*Sabha*) and Council (*Samit*
the two daughters of *Prajapati* accordant,
protect me; with whom I shall come together,
may he desire to aid me; may I speak what is
pleasant among those who have come together,
O Father.

सभा समितियां उभय प्रजापति की दुहिताएं,
मेरी रक्षा करें सम्मिलित वे सुहिताएं ।
जब जिससे हे तात, मिलूं मैं शिक्षा पाऊं,
बोलूं समुचित सुष्ठु वचन, जब जिसमें जाऊं ।।

Outside the Central Hall facing gate No. 1:

That one is mine and the other a stranger is the conce
of little minds. But to the large hearted the wo
itself is their family.

यह निज, यह पर, सोचना यह संकुचित विचार है ।
उदाराशयों के लिये अखिल विश्व परिवार है ।।

On the gates with porches:

They acquired wealth for giving it away.

त्याग हेतु संग्रही रहे वे ।

(२) सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखमाप्नुयात् ।।

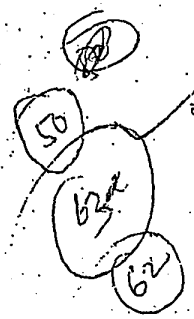

दोनों समिति कक्षों में :

संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम् ।
समानो मन्त्रः समितिः समानी ।
समानं मनः सह चित्तमेषाम् ।।
समानी व आकूतिः समाना हृदयानि वः ।
समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति ।।

—ऋग्वेद १०/१९१/२, ३, ४

May all be happy; may all be free from disease;
May all be prosperous and let no one undergo misery.

सभी सुखी हों और सदा रहें स्वस्थ सानन्द सभी ।
सभी भद्र-भागी हों भव में, न हो किसी को दुख कभी ।।

In the two Committee Rooms:

Come ye all together and gather in your Assembly and speak ye there with one voice. Know ye thy minds and be of one accord. May your counsel be the same. May your Assembly consist of equals. Let your minds be alike and also your thoughts. Let your hopes and aspirations be the same and let your hearts beat in unison, so that you may live in harmony and happiness.

मिलो परस्पर और एक सी वाणी बोलो,
रक्खो ध्येय समान, समिति में सहमत हो लो ।
सम मत हों, सम हृदय और सम चित्त तुम्हारे,
सौ मिल-जुलकर प्राप्त करो सुख-साधन सारे ।।

PART II

Quotations already inscribed in Parliament House.

(संसद् भवन के वर्तमान उद्धरण)

संसद्-भवन के वर्तमान भित्ति लेख

(अध्यक्ष-पीठ के ऊपर)

१. धर्मचक्रप्रवर्तनाय

द्वार संख्या १ पर :

२. लो ३ कद्वारमपावार्णू ३ ३
पश्येम त्वा वयं वैरा ३ ३ ३ ३ ३
(हुं ३ आ) ३ ३ ज्या ३ यो
आ ३ २ १ १ १ इति

(छान्दो० २/२४/८)

मध्यवर्ती हाल की ओर स्थित लोक-सभा के गोष्ठी-कक्ष के द्वार पर :

३. लो ३ कद्वारमपावार्णू ३ ३
पश्येम त्वा वयं वैरा ३ ३ ३ ३ ३
(हुं ३ आ) ३ ३ ज्या ३ यो
आ ३ २ १ १ १ इति

(छान्दो० २/२४/८)

ENGLISH AND HINDI TRANSLATION OF THE QUOTATIONS INSCRIBED IN PARLIAMENT HOUSE

(Above Mr. Speaker's Chair)

1. For the rotation of the wheel of righteousness.

धर्म-चक्र चलाने के लिये ।

On Gate No. 1

2. Open the door to thy people
And let us see thee
For the obtaining of the
Sovereignty.

(Hume)

द्वार खोल दो, लोगों के हित, और दिखादो झांकी ।
जिससे अहो प्राप्ति हो जाए, सार्वभौम प्रभुता की ।।

On Lobby of Lok Sabha leading to the Central Hall

3. Open the door to thy people
And let us see thee
For the obtaining of the
Sovereignty.

(Hume)

द्वार खोल दो, लोगों के हित, और दिखादो झांकी ।
जिससे अहो प्राप्ति हो जाए, सार्वभौम प्रभुता की ।।

लिफ्ट संख्या १ के निकटवर्ती गुम्बज पर :

४. न सा सभा यत्र न सन्ति वृद्धा,
वृद्धा न ते ये न वदन्ति धर्मम् ।
धर्मः स नो यत्र न सत्यमस्ति,
सत्यं न तद्यच्छलमभ्युपैति ।।

(महाभारत ५/३५/५८)

लिफ्ट संख्या २ के निकटवर्ती गुम्बज पर :

५. सभा वा न प्रवेष्टव्या,
वक्तव्यं वा समञ्जसम् ।
अब्रुवन् विब्रुवन् वापि
नरो भवति किल्बिषी ।।

(मनु० ८/१३)

लिफ्ट संख्या ३ के निकटवर्ती गुम्बज पर :

६. न हीदृशं संवननं,
त्रिषु लोकेषु विद्यते ।
दया मैत्री च भूतेषु,
दानं च मधुरा च वाक् ।।

On the dome near Lift No. 1

4. That's not an Assembly
Where there are no eldermen,
Those are not elders, who don't speak with righteousness,
That's no righteousness, where there is no truth,
That's not the truth, which leads one to deceit.

"वह सभा नहीं है जिस में वृद्ध न हों, वे वृद्ध नहीं हैं जो धर्मानुसार न बोलें, जहां सत्य न हो वह धर्म नहीं है, जिस में छल हो वह सत्य नहीं है ।"

On the dome near Lift No. 2

5. One must not either enter an Assembly Hall
Or he must speak there with all the righteousness,
For one who does not speak or one who speaks falsely,
Does himself in the equal sin involve.

"कोई व्यक्ति या तो सभा में प्रवेश ही न करे अथवा यदि वह ऐसा करे तो उसे वहां धर्मानुसार बोलना चाहिये, क्योंकि न बोलने वाला अथवा असत्य बोलने वाला मनुष्य दोनों ही पाप के भागी होते हैं ।"

On the dome near Lift No. 3

6. Kindness, friendliness to all
Charity and sweet tongue,
Such coincidence has not been found
(In one object) in all the three worlds.

"प्राणियों पर दया और उनसे मैत्रीभाव, दानशीलता तथा मधुर वाणी इन का सामंजस्य एक व्यक्ति में तीनों लोकों में नहीं मिलता ।'

लिफ्ट संख्या ४ के निकटवर्ती गुम्बज पर :

७. सर्वदा स्यान्नृपः प्राज्ञः,
स्वमते न कदाचन ।
सभ्याधिकारिप्रकृति,
सभासत्सुमते स्थितः ।

लिफ्ट संख्या ५ के निकटवर्ती गुम्बज पर :

८. ईं रुवाके जेबर्जद नविश्ता अन्द बेजर
कि जुज निकोई-ए-अहले करम नख्वाहद मान्द ।

—फारसी

लोक-सभा भवन तथा केन्द्रीय हाल के मध्यवर्ती गुम्बज पर :

९. इन्नालाहो ला युगय्यरो मा बिकौमिन्
हत्ता युगय्यरो वा बिन नफसे हुम ।।

—अरबी

On the dome near Lift No. 4

7. The Ruler must ever have true intelligence.
And he must never be a self-willed man,
All subjects to the councillors must he entrust,
Must sit in Assembly and abide by good counsel.

"शासक सदा बुद्धिमान् होना चाहिये, परन्तु उसे स्वेच्छाचारी कदापि न होना चाहिये, उसे सब बातों में मंत्रियों की सलाह लेनी चाहिये, सभा में बैठना चाहिये और शुभ मंत्रणा के अनुसार चलना चाहिये।"

On the dome near Lift No. 5

8. This lofty emerald like building,
bears the inscription in gold;
"Nothing shall last except the good deeds of tl
bountiful".

"इस भव्य भवन में स्वर्णाक्षरों में अंकित है कि दानशीलों के शुभ कामों के अतिरिक्त और कोई वस्तु नित्य नहीं रहेगी।"

On dome of Coffee Buffet between Lok Sabha Chambe and Central Hall

9. Almighty God will not change the
condition of any people unless
they bring about a change themselves.

"खुदा ने आज तक उस कौम की हालत नहीं बदली ।
न हो जिसको ख्याल आप अपनी हालत को बदलने का ।।"

LIST OF AUTHORISED AGENTS FOR THE SALE OF PARLIAMENTARY PUBLICATIONS OF THE LOK SABHA SECRETARIAT NEW DELHI-1.

Agency No.	Name and address of the Agent
1	Jain Book Agency, Connaught Place, New Delhi.
2	Kitabistan, 17-A, Kamla Nehru Road, Allahabad.
3	British Book Depot, 84, Hazaratganj, Lucknow.
4	Imperial Book Depot, 268, Main Street, Poona Camp.
5	The Popular Book Depot (Regd.), Lamington Road, Bombay-7.
6	H. Venkataramiah & Sons, Vidyanidhi Book Depot. New Statue Circle, Mysore.
7	International Book House, Main Road, Trivandrum.
8	The Presidency Book Supplies, 8-C, Pycroft's Road, Triplicane, Madras-5.
9	Atma Ram & Sons, Kashmere Gate, Delhi-6.
10	Book Centre, Opp. Patna College, Patna.
11	J. M. Jaina & Brothers, Mori Gate, Delhi-6.
12	The Cuttack Law Times Office, Cuttack-2.
13	The New Book Depot, Connaught Place, New Delhi.
14	The New Book Depot, 79, The Mall, Simla.
15	The Central News Agency, 23/90, Connaught Circus, New Delhi
16	Lok Milap, District Court Road, Bhavnagar.
17	Reeves & Co., 29, Port Street, Calcutta-16.
18	The New Book Depot, Modi No. 3, Nagpur.
19	The Kashmir Book Shop, Residency Road, Srinagar, Kashmir.
20	The English Book Store, 3-L, Connaught Circus, New Delhi.
21	Rama Krishna & Sons, 16-B, Connaught Place, New Delhi.
22	International Book House, Private Ltd., 9, Ash Lane, Bombay.
23	Lakshmi Book Store, 42, M.M. Queensway, New Delhi.
24	The Kalpana Publishers, Trichinopoly-3.
25	S. K. Brothers, 15A/65, W.E.A., Karol Bagh, Delhi-5.
26	The International Book Service, Deccan Gymkhana Poona-4.
27	Bahri Brothers, 188, Lajpat Rai Market, Delhi-6.

Agency No.	Name and address of the Agent
28	City Book-sellers, Sohanganj Street, Delhi.
29	The National Law House. Near Indore General Library, Indore.
30	Charles Lambert & Co., 101, Mahatma Gandhi Road, Opp. Clock Tower, Fort, Bombay.
31	A.H. Wheeler & Co., (P) (Ltd.,) 15, Elgin Road, Allahabad.
32	M.S.R. Murthy & Co., Visakhapatnam.
33	The Loyal Book Depot. Chhipi Tank, Meerut.
34	The Goods Compansion, Baroda.
35	University Publishers, Railway Road, Jullundur City.
36	Students Stores, Raghunath Bazar, Jammu-Tawi.
37	Amar Kitap Ghar, Diagional Road, Jamshedpur—1.
38	Allied Traders, Motia Park Bhopal.
39	E. M. Gopalkrishna Kone, (Shri Gopal Mahal) North Chittral Street, Madura.
40	Friends Book House, M.U., Aligarh.
41	Modrern Book House, 286, Jawahar Ganj, Jabalpur.
42	M. C. Sarkar & Sons (P) Ltd., 14, Bankim Chatterji Street, Calcutta—12.
43	People's Book House, B-2-829/1, Nizam Shahi Road, Hyderabad Dn.
44	W. Newman & Co. Ltd., 3, Old Court House Street, Calcutta.
45	Thackar Spink & Co. (1938) Private Ltd., 3 Esplanede East, Calcutta—1.
46	Hindustan Diary Publishers Market Street, Secunderabad.
47	Laxami Narain Agarwal, Hospital Road, Agra.
48	Law Book Co., Sardar Patel Marg, Allahabad.
49	D. B. Taraporevala & Sons Co. Private Ltd., 210 Dr. Naoroji Road, Bombay—1
50	Chanderkant Chiman Lal Vora, Gandhi Road, Ahmedabad.
51	S. Krishnaswamy & Co., P.O. Teppakulam, Tiruchirapalli—1.
52	Hyderabdad Book Depot., Abid Road (Gun Foundry), Hyderabad.
53(R)	M. Gulab Singh & Sons (P) Ltd., Press Area, Mathura Road, New Delhi.
54(R)	C. V. Venkatachala Iyer, Near Railway Station, Chalakndi (S.I.).
55(R)	The Chidambaram Provision Stores, Chidambaram.
56(R)	K. M. Agarwal & Sons, Railway Book Stall Udaipur (Rajasthan).
57(R)	The Swadesamitran Ltd., Mount Road] Madras—2.

Agency No.	Name and address of the Agent	Agency No.	Name and address of the Agent
58	The Imperial Publishing Co., 3, Faiz Bazar, Daryaganj, Delhi—6.	64	The Triveni Publishers, Masulipatnam.
59	Azeez General Agency, 471—Tilak Road, Post Box No. 7., Tirupati.	65	Deccan Book Stall, Fergusson College Road, Poona—4
60	Current Book House, Maruti Lane, Raghunath Dadaji Street, Bombay—1.	66	Jayana Book Depot, Chapparwala Kuan, Karol Bagh, New Delhi-5.
61	Shri A. P. Jambulingam, Trade Representative and Marketing Consultant, Prudential Bank Building, Rashtrapathi Road, Secunderabad.	67	'Bookland', 663, Madar Gate Ajmer (Rajasthan).
62	K. J. Aseervadam and Sons, Cloughpet, P.O. Ongole, Guntur Distt. Andhra.	68	Oxford Book & Stationery Co., Scindia House, Connought Place, New Delhi.
63	The New Order Book Co., Ellis Bridge, Ahmedabad—6.	69	Makkalapustaka Press, Balamandira, Gandhi Nagar, Bangalore—9.
		70	Gandhi Samirti Trust, Bhavnagar.

Parliamentary Museum & Archives
Accession No. 66
Date 2/9/2011
Lok Sabha Sectt., New Delhi.